

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3037

06 अगस्त, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

3037. डॉ. शशि थरूर:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार को विदित है कि वर्ष 2030 तक 300 मिलियन टन की उत्पादन क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) की अविलंब आवश्यकता है;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
- (ग) उन इस्पात के सरकारी उपक्रमों और निजी क्षेत्र की कंपनियों का ब्यौरा क्या है जो अपने बिक्री कारोबार का कम से कम 1% अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों के लिए आवंटित कर रही हैं; और
- (घ) क्या सरकार का विचार गुणवत्ता में वृद्धि करने और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा जैसे अतिविशिष्ट क्षेत्रों में उपयोग करने हेतु इस्पात उत्पादन में अनुसंधान और विकास हेतु विशेष इस्पात विकास निधि सृजित करने का है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): जी हाँ। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में भारतीय इस्पात क्षेत्र का दीर्घकालीन विकास और स्थिरता के लिए अनुसंधान कार्य को एक हस्तक्षेप के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस्पात मंत्रालय इस्पात और इस्पात संबंधी अनुसंधान करने के लिए अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों के आरएंडडी प्रयासों में सहयोग प्रदान कर रहा है। विगत तीन वर्षों के दौरान इस्पात मंत्रालय से सहयोग प्राप्त आरएंडडी परियोजनाओं की सूची संलग्न है। इस्पात कंपनियों द्वारा भी अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं।

(ग): इस्पात कंपनियों का अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बिक्री टर्नओवर का 0.05% से 0.5% के बीच होता है।

(घ): जी नहीं।

विगत तीन वर्षों के दौरान इस्पात मंत्रालय से सहयोग प्राप्त आरएंडडी परियोजनाओं की सूची

(लाख रुपये में)

क्र.सं.	आर एंड डी परियोजना	स्वीकृत सरकारी निधि
1.	चूरे की विभिन्न मात्राओं के साथ भारतीय गोर्डथिटिक/हेमाटाईट अयस्क हेतु पायलेट स्केल की पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास	2206.27
2.	कोक ओवन बैटरीज का कोल हैंडलिंग संयंत्र में इष्टतम कोल ब्लेंडिंग के लिये ऑटोमेशन प्रणाली का विकास	645.00
3.	राजस्थान के लो ग्रेड कोल मिल स्केल द्वारा प्रत्यक्ष कमी के जरिये लोहा का मितव्ययी उत्पादन	166.00
4.	फ्रिक्शन स्टिर वेल्डिंग द्वारा सुपर क्रिटिकल/अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट में उपयोग हेतु उच्च तापमान सामग्री की भावी आवश्यकता के लिये प्रणाली विकास।	558.26
5.	गुणवत्ता युक्त इस्पात के उत्पादन हेतु उपयुक्त इंडक्शन मेल्टिंग फर्नेस के लिये किफायती रिफ्रैक्टरी लाइनिंग सामग्रियों का विकास	165.00
6.	क्लिकर कम्पैटबल उत्पादों के उत्पादन हेतु ब्लास्ट फर्नेस स्लैग के लिये ड्राई स्लैग ग्रेनुलेशन टेक्नोलॉजी और एनर्जी रिकवरी प्रणाली का विकास	84.37
7.	इंफ्ररेड कैमरा आधारित टॉपीडो लेडल कार कडिशन निगरानी प्रणाली का विकास	154.00
8.	बायोमेट्रिकल अनुप्रयोगों हेतु निकेल मुक्त नाइट्रोजन ऑस्टिनिटिक स्टेनलेस स्टील का विकास	284.45
9.	कन्टिन्यूअस कास्टर के लिये मॉडल आधारित ब्रेकआउट प्रिडिक्शन प्रणाली (बीओपीएस) का स्वदेशी विकास	260.00
10.	थर्मल ग्रेड कोल का इस्तेमाल करते हुये स्लाइम और लो ग्रेड लौह अयस्क के लिये फ्लूडाइजीड बेड रिडक्शन रोस्टिंग प्रक्रिया का विकास ताकि उसकी मैग्नेटिक सस्सेप्टेविलिटी प्रोपर्टीज प्राप्त हो सके और अधिकतम लोहा प्राप्त हो सके	122.76
11.	सिलिकोमैंगनीज का उपयोग करके उच्च मेगनीज स्लैग का मेटेलोथर्मिक उपचार द्वारा लो कार्बन और लो फास्फोरस एंड फेरो मेगनीज का उत्पादन	150.00
12.	पैलेट फीड कान्सन्ट्रेट के उत्पादन हेतु खराब अयस्क की रिडक्शन रोस्टिंग और माइक्रोवेव हिटिंग करना	124.80
13.	इंडियन आयरन ओर प्रोसिसिंग इंडस्ट्रीज हेतु हाई कान्सन्ट्रेट आयरन ओर फाइन्स/कान्सन्ट्रेट स्लरी पाइपलाइनों की मॉडलिंग और इष्टतमीकरण	212.50
14.	टनल किलन में मिल स्केल और लीन ग्रेड कोल द्वारा उच्चतम मेटेलाइज्ड डायरेक्ट रिडयूज्ड आयरन का उत्पादन	151.00
15.	टनल किलन में क्रोमाईट अयस्क की पूर्ण कमी करने के लिए किफायती ग्रीन प्रौद्योगिकी का विकास और एसएएफ में हाई कार्बन फेरो क्रोम का उत्पादन	306.50
16.	इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस स्टील निर्माण में पैदा होने वाले स्लैग से ग्रीन बेलाईट सीमेन्ट बनाने का एक आदर्श दृष्टिकोण	139.20
17.	एनएमएल जमशेदपुर द्वारा प्रस्तुत ऊर्जा अनुप्रयोग हेतु अमोरफस इलेक्ट्रिकल स्टील (एईएस)	3634.00